भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 8
दिनांक 20 जुलाई, 2023

ऊर्जा ट्रांजीशन सलाहकार समिति

†8. श्री राहुल रमेश शेवाले:
डॉ. प्रीतम गोपीनाथ राव मुंडे:
श्री चंद्र शेखर साहू:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केन्द्र सरकार ने ऊर्जा ट्रांजीशन सलाहकार समिति का गठन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके उद्देश्य क्या है;

(ख) क्या उक्त समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है और यदि हां, तो उक्त समिति द्वारा की गई सिफारिशों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या शहरी अपशिष्ट से बनाई गई संपीड़ित बायोगैस के साथ रसोई गैस का सम्मिश्रण, खाना पकाने के ईंधन के रूप में मेथनॉल और एथेनॉल का उपयोग और विद्युत अथवा सौर ऊर्जा आधारित खाना पकाने के संबंध में ऊर्जा ट्रांजीशन सलाहकार समिति द्वारा की गई कुछ नीतिगत सिफारिशें हैं;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इन सिफारिशों को लागू करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

क) जी हाँ, वर्ष 2070 तक ऊर्जा बदलाव के लिए विभिन्न पहलों एवं निवल शून्य प्रतिबद्धता प्राप्त करने के दृष्टिगत कार्य योजना तैयार करने के प्रयोजन से इस मंत्रालय द्वारा ऊर्जा बदलाव सलाहकार समिति (ईटीएसी) का गठन किया गया था।

i. जलवायु सम्बन्धी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ऊर्जा बदलाव पथ।
ii. बायोमास आपूर्ति श्रृंखला पर विशेष जोर देते हुए जैव ईंधनों के लिए अवसंरचनात्मक उन्नयन।
iii. कोयला आधारित तापीय ऊर्जा पर निर्भरता कम करने के निमित्त भूतापीय, नाभिकीय, ज्वारीय इत्यादि जैसे ऊर्जा के अन्य स्रोतों की बढ़ती सहभागिता के लिए प्रक्षेप पथ (ट्रेजेक्टरी)।

iv. र्जा बदलाव को ईंधन और ऊर्जा वाहक के रूप में इसके इस्तेमाल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हरित हाइड्रोजन अवसंरचना हेतु मूल्य श्रृंखला का विकास।

v. विभिन्न अनुप्रयोगों में सौरऊर्जा के इस्तेमाल की कार्यनीति एवं दैनिक उपलब्धता बढ़ाने के लिए सौर ऊर्जा के परिवहन हेतु परिवर्तनकारी विद्युत ग्रिडों की स्थापना करने के लिए अंतरराीय एजेंसियों के साथ सहयोग करने के लिए कार्यनीतियाँ।

(ख) से (ङ) इस मंत्रालय को ईटीएसी की रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। ईटीएसी ने भावी दृष्टिकोण के साथ निम्न कार्बन ऊर्जा की दिशा में बढ़ने के लिए वृहद पैमाने पर सिफारिशें की हैं। ईटीएसी के सुझाव भिन्न-भिन्न मंत्रालयों और राज्यों सहित विभिन्न हितधारकों से सम्बन्धित है। ईटीएसी की सिफारिशों में अन्य बातो के साथ-साथ शहरी अपशिष्टों से बनाए गए संपीडित बायोगैस में तरल पेट्रोलियम गैस का मिश्रण करना, खाना पकाने के ईंधनों तथा इलेक्ट्रिक या सौर आधारित खाना पकाने के ईंधन के रूप में मेथेनॉल और एथेनॉल का उपयोग शामिल है। भारत सरकार द्वारा ईटीएसी की रिपोर्ट स्वीकार किया जाना शेष है।

****